भारतीय वन सेवा, भारतीय सूचना सेवा और इंडियन कॉर्पोरेट लॉ सर्विस के (2023-2024) के अधिकारियों के लिए संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं संबंधी परिबोधन कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

भारतीय वन सेवा, भारतीय सूचना सेवा और भारतीय कारपोरेट कानून सेवा के आप सभी अधिकारियों का संसद के ऐतिहासिक भवन में हार्दिक स्वागत है। इस प्रतिष्ठित सेवा के लिए आपका चयन होने पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूं।

आप लंबी और चुनौतीपूर्ण परीक्षण प्रक्रिया को सफलतापूर्वक समाप्त करने के बाद भारतीय वन सेवा के लिए चुनकर आए हैं। कॉलेज की शिक्षा समाप्त करके सिविल सेवक के रूप में अपने जीवन का आरंभ करना आपके लिए भी एक नई शुरुआत होगी।

आप देश की तीन महत्वपूर्ण सेवाओं के अधिकारी के रूप में नियुक्त किए गए हैं। आपकी सेवाएं भले ही अलग अलग हों, लेकिन आपका लक्ष्य समान है, देश की सेवा करना, देश के आर्थिक विकास के लिए काम करना, नागरिकों की समस्याओं को दूर करना।

जब से माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार आई है, सरकार की नीयत और नीति दोनों में ही आमूलचूल बदलाव आए हैं। सरकार के अलगबीच अलग विभागों के-समन्वय और उस समन्वय के द्वारा प्रशासन में कुशलता और प्रभाविता को बढ़ाना मूल उद्देश्य रहा है। आज हमारी सरकार 'सिलो' के अंदर काम नहीं कर रही है।

आप वन सेवा, सूचना सेवा और कॉर्पोरेट लॉ सेवा के अधिकारी बनाए गए हैं। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में तीनों सेवाओं की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका है।

फॉरेस्ट सर्विस अधिकारी के रूप में आपका दायित्व होगा कि आप हमारी समृद्ध और विविधतापूर्ण वन संपदा को सुरक्षित रखें, जैव विविधता को और समृद्ध बनाएं। आप हमारे वनवासी समुदायों की विरासत और परंपराओं का संरक्षण भी करें, उनके अधिकारों की रक्षा करें।

सतत प्रबंधन के माध्यम से देश के पर्यावरण को सुरक्षित बनाए रखने में आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

सूचना सेवा के अधिकारी के रूप में आपका दायित्व होगा कि किस प्रकार हमारे लोकतान्त्रिक देश में सरकार की नीतियों और पहलों की जानकारी को जनता तक पहुँचाया जाए, किस प्रकार सरकार और जनता में प्रभावी संवाद स्थापित हो।

भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी के रूप में आप भारत सरकार के मीडिया मैनेजर हैं। जनता को सरकार की नीतियों और योजनाओं से अवगत कराकर और भावी नीतियाँ तैयार करने के लिए सरकार को जनता से प्राप्त फीडबैक प्रदान करके आप सरकार और जनता की बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करते हैं।

उसी प्रकार कॉर्पोरेट और बैंकिंग प्रणाली किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। लोक सेवक होने के नाते भारतीय कॉर्पोरेट कानून सेवा के अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे कंपनियां और व्यवसाय शुरू किये जाने और उनके संचालन की प्रक्रिया को सरल बनाएं।

अर्थव्यवस्था की विश्वसनीयता और शक्ति को बनाए रखने में आपकी उल्लेखनीय भूमिका है। भारत की अर्थव्यवस्था आज विश्व की पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

हमारी अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेजी से विकसित होती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हमने वर्ष 2025 तक अपनी अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। इस प्रक्रिया में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

यह आपके करिअर का आरंभ है। भारत सरकार के शीर्ष अधिकारी के रूप में आपका दायित्व होगा कि आप वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए काम करें, विश्व में आपके क्षेत्रों में जो भी नए विचार आ रहे हैं, नए कार्य किये जा रहे हैं, उनका ज्ञान आपको हो।

भारत में उन नए विचारों को, नई टेक्नॉलजी को किस प्रकार प्रभावी तरीके से लागू किया जा सकता है, यह आपके चिंतन का विषय होना चाहिए।

आज भारत के लोगों की एस्पिरेशंस, उनकी आकांक्षाएं बहुत तेजी से बढ़ रही हैं। विकसित भारत के लिए, व्यवस्थाओं में बदलाव के लिए अब देशवासी और ज्यादा इंतजार नहीं करना चाहते।

देश के लोगों की इस एस्पिरेशंस को पूरा करने के लिए हम सबको, आपको पूरे सामर्थ्य से जुटना होगा, तेजी से निर्णय लेने होंगे, और उनको उतनी ही तेजी से लागू करना होगा। और देश की जनता की ही नहीं, बल्कि आज पूरे विश्व की भी भारत से अपेक्षाएं बहुत ज्यादा बढ़ी हुई हैं।

ऐसी स्थिति में अब आपको एक भी पल गंवाना नहीं है। देश ने आप पर भरोसा किया है, आपको मौका दिया है, उस भरोसे को कायम रखते हुए काम करिए। आपके निर्णयों का आधार सिर्फ और सिर्फ देश हित होना चाहिए।

फील्ड में आपको जब कोई निर्णय लेना हो, किसी एक समूह के लिए कोई फैसला लेना हो, लेकिन तब भी आप ये जरूर सोचें कि मेरे इस निर्णय से, निर्णय भले ही छोटा क्यों न हो, मेरे से इस निर्णय से देश का क्या भला होगा? यानि आपके लिए कसौटी, देश हित ही है।

जब जन केंद्रित शासन होता है, जब विकास उन्मुखी शासन होता है, तो वो समस्याओं का समाधान भी करती है और बेहतर परिणाम भी देती है।

गुड गवर्नेंस में जनता के प्रति जवाबदेही होती है। आपको इसी कसौटी पर खरा उतरना है।

इस परिबोधन कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से आप सभी को हमारी संसदीय संस्थाओं के परिवेश, उनकी संस्कृति और परंपराओं तथा कार्य प्रणाली से परिचित कराना है। इस कार्यक्रम से आपको हमारी संसदीय शासन प्रणाली में अपनी भूमिका और कार्यों को समझने में मदद मिलेगी।

अभी संसद का मॉनसून सत्र चल रहा है। संसद की एक सुसज्जित लाइब्रेरी भी है जिसमें आपको हमारे संसदीय इतिहास, संविधान सभा के डिबेट, संसद में अब तक हुए डिबेट, संसदीय समिति के प्रतिवेदन मिलेंगे। इसके अतिरिक्त संसद की एक डिजिटल लाइब्रेरी भी है जिसमें पिछले 150 वर्षों के संसदीय रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया गया है।

मेरा सुझाव रहेगा कि आप संविधान सभा के डिबेट का अध्ययन करें, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जो महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए हैं, उनके ऊपर हुई चर्चा का अध्ययन करें। जितना आप अध्ययन करेंगे, उतना ही आप जागरूक होंगे कि किस प्रकार हमारे संसदीय लोकतंत्र का विकास हुआ है।

किस प्रकार भारत ने नियमित चुनावों के माध्यम से एक स्वतंत्र न्यापालिका और जागरूक सिविल समाज के बल पर एक स्थिर और बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र को बनाए रखते हुए-संसदीय संस्थाओं के माध्यम से एक सफल लोकतांत्रिक प्रणाली कायम की है।

अंत में, मैं एक बार फिर प्रतिष्ठित भारतीय वन सेवा, भारतीय सूचना सेवा और इंडियन कॉर्पोरेट लॉ सर्विस में आपके चयन पर आप सभी को बधाई देता हूं और आपके करियर के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

इस परिबोधन कार्यक्रम के दौरान आपको प्रख्यात सांसदों और संसदीय संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद करने का अवसर मिलेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि संसदीय संस्थाओं के कामकाज की बेहतर समझ आपके कार्य निष्पादन को और बेहतर बनाएगी।